भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4335
जिसका उत्तर मंगलवार 28 मार्च, 2017 को दिया जाना है

एचपीसी लिमिटेड का आधुनिकीकरण

4335. श्री रमेन डेका:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने असम में कछार पेपर मिल और नौगांव पेपर मिल नामक हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन (एचपीसी) लिमिटेड का आधुनिकीकरण और क्षमता में वृद्धि करने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या बांसों की खरीद में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने बांसों की क्रय नीति को सुव्यवस्थित बनाने के लिए कोई कदम उठाए हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख): एचपीसी की असम स्थित यूनिटों नामत: कछाड पेपर मिल और नगांव पेपर मिल का आधुनिकीकरण एवं क्षमता विस्तार अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ है। तथापि, इन यूनिटों के कुछ सेक्शनों का आधुनिकीकरण एवं नवीकरण एचपीसी की प्रस्तावित पुनरुद्धार योजना में शामिल किया गया है।

(ग): जी, हां। बांसों की खरीद में अभिकथित अनियमितताओं के संबंध में केन्द्रीय सतर्कता आयोग के माध्यम से एक शिकायत मिली थी। मामले की विस्तृत जांच के लिए इसे सीबीआई को सौंप दिया गया है।

(घ): फिलहाल, सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, बांस की खरीद हेतु एचपीसी की खरीद नीति को और अद्यतन किया गया है तथा यह एचपीसी द्वारा अपनी वेबसाइट पर डाली गई है।

*****